IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 2, Issue 2, December 2022
Impact Factor: 6.252

मध्यप्रदेश में मानव संसाधन विकास एवं महिला सशक्तिकरण : एक समीक्षा

वन्दना मिश्रा[1] and डॉ. एन.पी. पाठक

शोधार्थी, व्यावसायिक अर्थशास्त्र, अवशेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा (म.प्र.)

आचार्य, व्यावसायिक अर्थशास्त्र, अवशेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा (म.प्र.)

शोध सारांशः प्रस्तुत शोध में अनेक प्रकार की शासन व्यवस्थाओं तथा प्रशासनिक प्रणालियों में 'मानव विकास' को सर्वोच्च स्थान प्रदान किया जाता है। आधुनिक लोक कल्याणकारी राज्यों का दर्शन, चिन्तन तथा प्रयास, पूर्णतः मानव संसाधन विकास को समर्पित है क्योंकि मनुष्य के सर्वांगीण विकास के बिना राज्य के विकास या सरकार के अस्तित्व की कल्पना करना व्यर्थ है। जैसा कि पूर्व पृष्ठों पर बताया जा चुका है कि मानव संसाधन विकास की अवधारणा व्यावहारिक रूप में दो स्तरों पर प्रवर्तित है। भारतीय इतिहास में महिलाओं को पूजनीय माना गया है, हम भारतवासी महिलाओं को हमेशा से एक ऊंचे दर्जे का सम्मान देते थे। ग्रंथों और पुराणों में इस चीज का उल्लेख मिलता है कि भारत में हमेशा से देवताओं के साथ साथ देवियों को भी पूजा जाता है और यह परम्परा सदियों से चली आ रही है। 90 के दशक के बाद भारत की स्थिति में काफी सुधार देखने को मिला है, महिलाएं आज घरों से बाहर पढ़ने के लिए जाती हैं और हर क्षेत्र मे अपना नाम रोशन करती हैं। आज महिलाएं मेडिकल, इंजीनियरिंग, शिक्षा, सुरक्षा आदि के में जा कर हर काम कर रही हैं।

मुख्य शब्दः महिला, सशक्तिकरण, मानव, संसाधन, विकास, सरकार, कार्यक्रमों, प्रशासन आदि।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूचीः

[1]. शर्मा, प्रज्ञा. (2011).'' भारतीय समाज में नारी.'' जयपुर, पॉइंटर पब्लिशर्स।

[2]. चोपड़ा, पी. एन. पुरी, बी. एन., दास एम. एन. (2005)'' भारत का सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक इतिहास." दिल्ली : मेकमिलन इंडिया लि.।

[3]. शर्मा, गोपीनाथ. (2008). ''राजस्थान का सांस्कृतिक इतिहास." जयपुर : राजस्थान हिंदी ग्रथ अकादमी।

[4]. शर्मा, कालूराम. (2004).'' उन्नीसवीं सदी के राजस्थान का सामाजिक एवं आर्थिक जीवन." जयपुर : राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी।

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 2, Issue 2, December 2022
Impact Factor: 6.252

[5]. जैन, हुकुमचंद एवं माली, नारायण. (2011).'' राजस्थान इतिहास एवं संस्कृति, एनसाइक्लोपीडिया" जयपुर : जैन प्रकाशन मंदिर।

[6]. Ahuja Ram, Research Methos, Rawat Publication, Jaipur, 2001

[7]. Ahuja Ram, Samajik Swarvekshan awam Anusandhan, Rawat Publication, Jaipur.

[8]. Akanf, Rasel L., Scientific Methods, John Ville & Sons, Newyork, 1962

[9]. Akanf, Rasel L., The Design of Social Research, Univeristy of Chikago Press, Chikago, 1961

[10]. Baule, A.L., Reliment of Staticstics, P. S., King and Stepals Ltd., London, 1937

[11]. Beli, Kennath D., Methos of Social Research, the free press, Newyork, 1982

[12]. कुरूक्षेत्र पत्रिका जुलाई 2018

[13]. योजना पत्रिका जनवरी 2019

[14]. दैनिक समाचार के विभिन्न अंक